डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 274 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 18 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

फालोअप-स्वीमिंग पुल गेट के बाहर रोड पर हुआ घटनाक्रम, अन्य वारदातें नहीं कबूली...

चेन झपटमार दो महिलाएं पहुंची जैल, एक की जमानत हुई

ऑटो से उतरने पर एक ने टल्ला मारा दूसरी ने लड़ाई की, तीसरी ने चेन तोड़ी

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार शाम को स्वीमिंग पुल गेट के बाहर रोड पर चेन चोरी करने अथवा झपटने की वारदात हुई थी। इस मामले जिन तीन आरोपी महिलाओं को पकड़ा था, उन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया, यहां से दो महिलाओं को जैल पहुंचा दिया गया, वहीं एक महिला के छोटा बच्चा होने से उसे जमानत मिल गई। तीनों ने अन्य वारदातें नहीं कबूली है। घटना में यह बात अच्छी रही कि 12.5 ग्राम वजनी सोने की चेन मिल गई। हालांकि पेंडल नहीं मिल पाया है। सोने की चेन की कीमत एक लाख के आसपास बताई गई है। बता दें कि फरियादी ज्योति चिचानी झावल ग्राम से अपने मामा दिनेश सरतावाला व मामी राखी सतरावाला के यहां अपने दो बच्चों के साथ मंदसौर आई थी। वह नेहरु बस स्टैंड से ऑटो में बैठी, इतने में तीन औरतें आकर बैठ गई। बड़े अस्पताल के सामने स्वीमिंग पुल रोड पर एक आरोपी महिला ने ज्योति को टल्ला मारा, दूसरी ने लड़ाई की और तीसरी महिला ने बातों–बातों में उलझाकर चेन तोड़ ली। यहां ऑटो रिक्शा रुक कर सभी उतर गए थे। ज्योति को सोने की चेन गायब होने की भनक लगते ही उसने अन्य लोगों की मदद से महिलाओं को घेर लिया। पुलिस को सूचना मिलने पर महिलाओं को कोतवाली लाया गया था। बता दें कि सड़क पर मिली चेन को मिलने पर जिस युवक महेश दमामी ने ईमानदारी दिखाई है, उसे प्रशंसा पत्र मिलना चाहिए। कोतवाली पुलिस का प्रशासन इस संदर्भ में पहल की जरूरत है। मामले में आरोपी महिला विद्या पति मोडू, रोशनी पति दीपक को जैल दाखिल किया गया है, वहीं मधु पति लक्ष्मण बुद्ध को जमानत मिली है। तीनों निवासी भीम नगर इंदौर की है, जिन्होंने मंदसौर आकर घटना को अंजाम दिया।

मंदसौर जिले में तेज बारिश का अलर्ट

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के बीच क्षेत्रों में बुधवार को कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। बीते 24 घंटों में जिले में 20 एमएम बारिश दर्ज की गई है। जिले में अब तक 182 एमएम बारिश हुई है, जबकि पिछले साल 17 जुलाई तक 253 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को जिले में गरज चमक के साथ तेज बारिश की संभावना जताई है। मौसम जानकारों के अनुसार मानसून की ट्रफ लाइन मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है।इस कारण पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक अशोक दामले ने बताया सिस्टम की वजह से अगले पांच दिन तक तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

यातायात और परिवहन विभाग की कमजोर कार्यप्रणाली के चलते...

टैक्सी बनकर दौड़ रहे निजी वाहन..!

राजस्व की लग रही चपत, वर्षों से स्टेडियम क्षेत्र में खड़ी रहती हैं कारें व जीपें

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की कमजोर कार्यप्रणाली कहें या आपसी तालमेल, जिससे निजी गाड़ियां टैक्सी बनकर दौड़ाई जा रही है। इससे न केवल राजस्व की चपत लग रही है वरन् कोई दुर्घटना में परेशानी किसकी होगी, यह भी हवाहवाई बातें हो रही है। ऐसा भी नहीं है कि सभी वाहन बगैर टैक्सी परमिट के दौड रहे हैं, इसमें से अनेक लोगों ने बकायदा अपने वाहनों का टैक्सी परमिट ले रखा है, लेकिन फायदे की जुगाड़ी गाड़ी चलाने के मकसद से अनेक वाहन बगैर टैकसी परमिट के दौड़ रहे हैं।

शहर के एकमात्र स्टेडियम की खाली पड़ी भूमि पर वर्षों से टैक्सी स्टैंड लगता आ रहा है। बीच में जरूर एक बार यहां छानबीन कर टैक्सी स्टैंड को हटाया गया था। लेकिन, समय के साथ वापिस स्टेडियम में वाहन खड़े हो गए। इसके बाद से यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। स्टेडियम की जमीन पर टैक्सी वाहन खड़े हो रहे हैं और इससे शिक्षा विभाग के नुमाइन्दों को भी लगता है कि कोई लेना देना नहीं है। बता दें कि स्टेडियम के रखरखाव व देखरेख का जिम्मा शिक्षा विभाग के अधीन है।

प्रभावशालियों को कम कीमत में उपलब्ध हो रही गाड़ियां...

घरेलू उपयोग में पंजीकृत कारों व जीपों को टैक्सी के रूप में उपयोग किया जाता है। परमिट व्यावसायिक का नहीं होता है । बताते हैं कि यदि किसी अधिकारी को वाहन की आवश्यकता होती है, यानी अपने रिश्तेदारों आदि को बाहर घुमाना होता है तो वे तथाकथित टैक्सी वाहन का उपयोग करते हैं। ऐसे में कम दर पर वाहन उपलब्ध हो जाते हैं। इस तरह संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

घरेलू उपयोग के नाम पर वाहन, हो रहा व्यावसायिक उपयोग...

बता दें कि अधिकतर लोगों ने कारें और जीपें खरीदी है । यह वाहन घरेलू उपयोग के नाम पर पंजीकृत है। जबकि इसका व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। इन वाहनों को टेक्सी वाहन बनाकर दौड़ाया जा रहा है। ऐसा भी नहीं है कि संबंधित विभाग को इस बात का पता नहीं है। कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरा के समान रह जाती है । कई लोग आज भी निजी वाहनों का व्यावसायिक उपयोग कर परिवहन विभाग को राजस्व का नुकसान कर रहे हैं।

निजी कार-जीपें खरीदी, फिर कर दी अटैच...

कुछ प्रकरणों में यह भी देखने में आया है कि प्रभावशाली लोगों ने कारें व जीपें खरीदने के लिए खुद का रुपया इस्तेमाल किया है । निजी रुपयों से गाड़ियां खरीदकर उसे अन्य नाम से अटैच किया जाता रहा है। एक अनुमान के अनुसार शहर में हर वर्ष कारा व जीपों की खरीदी में बेतहाशा वृद्धि हुई है। वर्तमान में अधिकतर लोगों के पास निजी कारें व जीपें है।

एक बार चला था जांच का अभियान, फिर रुक गया...

नूतन स्टेडियम परिसर में वर्षों से टेक्सियां खड़ी की जाती रही है । यहां वाहन कितने मापदंड पर चल रहे हैं, इसकी जांच में कोताही बरती जाने लगी है । एक बार यहां वाहनों की परिवहन विभाग ने जरुर जांच की थी, जिसके बाद अभियान रुक गया । स्टेडियम परिसर अघोषित टेक्सी स्टैंड बन गया है । यहां पर बड़े अधिकारी तक अवलोकन कर गए हैं, जिन्हें शायद यह पता है कि गाड़ियां नियमों के तहत चलाई जा रही है।

टैक्सी स्टैंड क्षेत्र में कॉम्पलेक्स निर्माण की हुई थी हलचल...

पूर्व में स्टेडियम के इसी टैक्सी स्टैंड पर कॉमप्लेक्स निर्माण की अवधारणा रखी गई थी। टैक्सी स्टैंड को हटाने की बात भी कही गई थी। इस बीच स्टेडियम की खाली पड़ी जमीन पर कुछ लोगों के झोपड़ी बनाकर रहने वालों पर प्रशासनिक गाज गिरी थी। झोपड़ियों को सख्ती से हटा दिया गया था। लेकिन, इसके बाद से इस ओर चहल पहल तक नहीं हुई है। कॉम्पलेक्स निर्माण की अवधारणा अटक गई है। शिक्षा विभाग ने स्टेडियम की जमीन पर कब्जा होने के संदेह में सीमा रेखा पर एक निश्चित लम्बाई में दीवार खड़ी कर दी गई थी। दीवार में अच्छा खासा रुपया खर्च करने के बाद से कोई हलचल नहीं हो पाई है। बता दें कि स्टेडियम समिति के चुनाव नहीं होने से हालत जस की तस बनी हुई है। यह और बात है कि स्टेडियम अच्छा बन गया है, जिससे यहां खेलकूद अथवा स्पोर्ट्स गतिविधियां होने लगी है।

बगैर पड़ताल के सरपट दौड़ रहे मेजिक वाहन, फिटनेस व परमिट की हो जांच...

वर्षों पूर्व में शहर में तीन पहिया टेम्पो हुआ करते थे, जिसे बंद किए जाने के बाद इनकी जगह मेजिक वाहनों ने ले ली है। शहर में अनगिनत मेजिक वाहन सवारियां ढोने के कार्य में चलाई जा रही है। बगैर पड़ताल के कई वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। यातायात पुलिस द्वारा कभी कार्रवाई का डंडा घुमाया जाता है तो जो वाहन नियमों के विपरित हैं, वे गाड़ी चलाना बंद कर देते हैं। यानी उस दिन सड़क पर वह वाहन नहीं दिखता है। बताते हैं कि सीतामऊ फाटक पार यातायात की जांच पड़ताल होने के चलते कई मेजिक वाहन जो स्कूलों में अटैच थे, वे गाड़ी लेकर नहीं आए। यानी बच्चों को स्कूल लाने व ले जाने की छुट्टी तक रही। यातायात पुलिस को इस संबंध में औचक निगाह रखे जाने की आमजनों की मांग है।

जमीन की तलाश तक सीमित रह गई बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली...

'बिजली थाने' खुलने की कवायद रह गई अधूरी

बिजली चोरी व बकाया वसूली के लिए पुलिस प्रशासन का लेना पड़ रहा सहारा

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बिजली कंपनियां भले ही सिस्टम को हाईटेक करने की दुहाई दे रही हो लेकिन उनके कई जरूरी मामलों की फाइल खुल ही नहीं पा रही है। ऐसा ही एक मामला बिजली थाने खोलने का है। 4 साल पहले जोर-जोर से हल्ला मचाया गया था कि थाने जल्द खुलने वाले हैं।23 दिसंबर 2020 को तत्कालीन प्रमुख सचिव ने वितरण कंपनियों को चिट्ठी लिखकर जमीन के बारे में जानकारी तक मांग ली थी। इसके बावजूद अब तक एक भी थाना नहीं खुल सका। इसका असर यह हो रहा है कि बिजली चोरी रोकने और बकाया की वसूली करने के लिए अमले को बार-बार पुलिस प्रशासन का सहारा लेना पड़ रहा है। अभी तक देश के तीन राज्यों गुजरात राजस्थान और पंजाब में बिजली के पुलिस थानों की व्यवस्था है।

अफसरों के साथ कई बार अभद्र व्यवहार और मारपीट...

बीतों सालों में मुल्तानपुरा, लालघाटी व गुर्जरबर्डिया क्षेत्र में बिजली चोरी का पंचनामा बनाने गए अफसरों के साथ कई बार अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज व मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं। इसी तरह दलौदा, नाहरगढ़, पिपलियामंडी, भानपुरा, सुवासरा, शामगढ़, सीतामऊ और गरोठ क्षेत्र में इक्का-दुक्का घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे कुछ मामले में शहर कोतवाली सहित थाना वायडीनगर, नईआबादी व जिले के विभिन्न थानों में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है।

चोरी रुके तो दस प्रतिशत तक बढ़ जाए राजस्व...

मप्रविविकं के जानकारों की मानें तो वर्तमान में शहरी क्षेत्र में 17 प्रतिशत बिजली चोरी हो रही है, जबकि ग्रामीण में 30 प्रतिशत नियम अनुसार शहर में 10 प्रतिशत व ग्रामीण में 15 प्रतिशत लाइन लॉस होना चाहिए। अपनी पुलिस होने पर बिजली कंपनी की यह चोरी भी रुक सकती है। कंपनी का राजस्व 10 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। ऐसे में बिजली सस्ती हो जाएगी।

थाने खोलने के पीछे यह है वजह और जरूरत...

बिजली कंपनी के अमले द्वारा बिजली चोरी पकड़ने के बाद चोर के खिलाफ सीधी एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। इसके लिए उन्हें संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को आवेदन देना पड़ता है। आवेदनों का थानों में क्या होता है, यह सर्वविदित है। इस परेशानी से बचने के लिए थाने खोलने की कवायद शुरु की गई थी।

इसमें यह आ रही सबसे बड़ी अड़चन...

जानकारों के मुताबिक यदि गृह विभाग से डेपुटेशन पर लिए गए अधिकारियों और कर्मचारियों को बिजली थानों में सदस्य किया गया तो प्रमोशन चैनल का अड़ंगा आएगा। यही विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना की जाए तो उनके लिए अलग से कैडर बनाना पड़ सकता है। इसका मसौदा अब तक तैयार नहीं हो सका।

बिजली विभाग में सभी कर्मचारी के टाईम पर आने का दावा!

मंदसौर के बिजली कंपनी के विभाग में सभी कर्मचारियों व अधिकारियों के कार्यालय समय अनुसार टाईम पर आने का दावा किया जा रहा है। इस दावे में कितना सच है, यह तो पड़ताल पर मालूम हो सकेगा। बता दें कि राज्य शासन ने सभी विभागों के सरकारी सेवकों के लिए सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक कार्य समय अनिवार्य के पुनः आदेश जारी किए हैं। ऐसे में बिजली विभाग में कितने सरकारी सेवक समय पर कार्यालय आते हैं, इस संबंध में भी औचक दौरे की जरूरत समझी जा रही है।

मामला दशरथ नगर में बंगले पर हुई चोरी का...

रतलाम रेलवे स्टेशन व टोल केमरे खंगाले, नहीं मिले चोर

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 13-14 जुलाई की दरमियानी रात्रि में दशरथ नगर में बंगले पर हुई चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस के हाथ तीसरे दिन भी गुरुवार को खाली के खाली रहे। बदमाशों के संबंध में सुराग जुटाने की कोशिशें जारी है। रतलाम रेलवे स्टेशन व सभी टोल के केमरे खंगाले गए हैं, लेकिन चोर मिल नहीं पाए हैं। पुलिसिंग करने में कोतवाली के कारिन्दे नाकाम दिखाई दे रहे हैं।

दशरथ नगर में जैन मांगलिक भवन के सामने स्थित अभय पोरवाल के बंगले पर चोरी की बड़ी घटना हुई थी। बदमाशों की टीम भारी भरकम तिजोरी उठाकर बंगले के बाहर ले गई और खाली खेतनुमा जमीन पर तिजोरी का चाबी से ताला खोला और माल बटोरकर ले गए थे। मौके पर सबूत जुटाने के लिए सीएसपी व कोतवाली निरीक्षक ने जायजा लिया था। तीसरे दिन तक गुरुवार को इस संदर्भ में कोतवाली के होनहारों को सुराग तक नहीं मिल सका है। ऐसे में चोर कैसे पकड़े जाएंगे, इस पर भी प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है। उधर, कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ का कहना है कि उनके पास कुछ जानकारी नहीं पहुंच सकी है। ऐसे में समझा जा सकता है कि बंगले पर हुई चोरी की जांच में आंच नहीं आने वाली है। हालांकि, सायबर सेल की टीम इस संबंध में गुत्थी सुलझाने के लिए प्रयासरत हैं, जिनके सहारे पुलिसिया तंत्र सुराग जुटाने के इंतजार में है।

मामला कुएं में छलांग का...

मां और पिता दोनों बने आरोपी, गिरफ्तार

गरोठ, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पीलपखेड़ा में पति से विवाद के बाद चार बच्चों के साथ एक मां द्वारा कुएं में छलांग लगाने की घटना में पुलिस ने मां को आरोपी बनाया है और सह आरोपी पिता को बनाया है, जिन्हें गिरफ्तार किया है। घटना में चारों बच्चों की मृत्यु हो गई थी। आरोपी रोडू को जोधपुर से पकड़ा गया।

जांच में पाया गया कि सुगना बाई का उसके पति रोड सिह से आये दिन पारिवारिक विवाद होने व घटना की रात्रि में भी विवाद हुआ था। रोड सिह आये दिन अपनी पत्नी सुगना बाई को मारपीट कर प्रताड़ित कर मरने ... शेष पेज 4 पर

Happy Birthday Happy Birthday Happy Birthday Happy Birthday Happy Birthday

मैंने पत्थरों का सीना चीरकर पानी पिया है,
किसी समन्दर का मुझ पर अहसान नहीं।

वरिष्ठ शिक्षाविद्,
कर्मयोद्धा, हम सब के प्रेरक
आदरणीय
श्री रामकृष्णजी नवाल
* संस्थापक (दैनिक गुरु एक्सप्रेस) *
को आज जन्मदिवस पर

HAPPY Birthday HAPPY Birthday

दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं

********** बधाईकर्ता **********

गुरु एक्सप्रेस परिवार

मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, भोपाल

मामला जनसुनवाई में लौटन यात्रा कर अपनी फरियाद को हल कराने पहुंचने किसान का...

कलेक्टर ने डाली कोर्ट के पाले में गेंद

कहा-रजिस्ट्री गलत है तो सिविल कोर्ट में करना होगा चेलेंज

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टोरेट की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिसमें एक बुजुर्ग अपनी जमीन पर धोखे से नामांतरण करवाने का आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि चौदह साल से कई शिकायतों के बाद भी निराकरण नहीं हो पाया। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन भी हरकत में आया। तुरंत मामले की जांच कराई गई। जिसमें कब्जा बुजुर्ग का ही मिला। वहीं धोखे से नामांतरण करवाने के आरोप के मामले में प्रशासन ने कोर्ट के पाले में गेंद डाल दी है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने कहा कि रजिस्ट्री गलत है तो सिविल कोर्ट में चेलेंज करना होगा।

जनसुनवाई में लौटन कर कलेक्टर को अर्जी लगाने की कोशिश...

मंगलवार को हुई जनसुनवाई में सीतामऊ क्षेत्र के साखतली से आए किसान शंकरलाल पाटीदार 65 वर्ष ने

कलेक्ट्रेट कार्यालय में लौटन लगा दी। इसे देखकर सभी अधिकारी बाहर आ गए। एसडीएम व डिप्टी कलेक्टर आवेदक की ओर दौड़े और जनसुनवाई कक्ष में ले गए। किसान पाटीदार ने बताया कि 14 साल से अधिकारियों के चक्कर काट रहा हूं और 25 से ज्यादा बार जनसुनवाई में आ चुका हूं। सीएमओ व पीएमओ तक अपनी शिकायत पहुंचा चुका हूं। लेकिन, कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है। किसान ने अपने आवेदन में बताया कि गांव सूरखेड़ा में मेरी कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 604 व 625 है। जिसे धोखे से कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ बाबू देशमुख ने अपने बेटे अश्विनी देशमुख के नाम कर ली है। इस मामले में सीतामऊ तहसीलदार ने बयान दिया कि आवेदक और इसके परिवार के लोगों की संयुक्त भूमि का मामला है। परिजनों ने उक्त भूमि को वर्ष 2010 में विक्रिय कर नामांतरण भी करवा दिया है। आवेदक विक्रय की हुई भूमि पर अपना कब्जा बता रहे हैं।

तहसीलदार और एसडीएम से करवाई जांच...

सोशल मीडिया पर मामला छाने के बाद मामले में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने तहसीलदार और एसडीएम से जांच कराई। कलेक्टर यादव ने बताया कि कृषि भूमि 604 व 625 पर एक बंटा दो शंकरलाल का हिस्सा है तथा तो वहीं एक बटा दो संपतबाई सहित परिवार के अन्य सदस्यों का। 2010 में यह जमीन संपतबाई सहित अन्य हिस्सेदारों ने अपनी जमीन अश्विन देशमुख को बेच दी थी। जिसका नामांतरण भी हो गया। अभी भी दोनों ही हिस्सों की जमीन पर शंकरलाल का कब्जा है। वह यहां खेती करते चले आ रहे हैं। धोखे से नामांतरण के आरोप पर उन्होंने कहा कि इस मामले में सिविल कोर्ट में चेलेंज करना होगा।

सहानुभूतिपूर्वक सुनवाई की, आवेदन का कराया परीक्षण

जिला प्रशासन की ओर से जारी हुए प्रेसनोट में बताया गया कि आवेदक शंकरलाल पिता फूलचंद की 1/2 भूमि पर स्वयं आवेदक काबिज है। प्रशासन ने सहानुभूति पूर्वक आवेदन लिया तथा मामले को सुना। वस्तुस्थिति के आधार पर किसी भी व्यक्ति/भू माफिया द्वारा आवेदक की जमीन पर कोई कब्जा नहीं किया है। आवेदन के संबंध में कार्रवाई तुरंत गति से की गई।उक्त आवेदन का परीक्षण करवाया गया। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि आवेदक शंकर लाल पिता फूलचंद द्वारा 1/2 भूमि जो कि आवेदक के हिस्से की है उस पर वर्तमान में काबिज है एवं सह खातेदार संपतबाई इत्यादि द्वारा जो भूमि 2010 में विक्रय की गई थी उक्त भूमि पर भी शंकर लाल पिता फूलचंद का कब्जा आज दिनांक तक है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतामऊ द्वारा प्रेषित प्रतिवेदन एवं वस्तुस्थिति के आधार पर किसी भी व्यक्ति/भू माफिया द्वारा आवेदक शंकरलाल पिता फूलचंद की जमीन पर कब्जा नहीं किया जा रहा।यदि किसी व्यक्ति द्वारा उक्त भूमि पर अवैध कब्जे के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा उस पर प्रशासन द्वारा विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

रजिस्ट्री गलत किए जाने का आरोप : इसकी होना शुरू से आखिरी तक हो जांच...

मामले में यह जानकारी भी सामने आई है कि आवेदक शंकरलाल जिस जमीन को हड़पने का आरोप लगा रहे हैं, वह उनके रिश्तेदार के हक की थी और कब्जा उन्हीं का है। 15 वर्ष से वह इसके लिए लड़ाई लड़ रहा है। किसान का आरोप है कि जमीन को छलकपट कर बाबू के बेटे अश्विन के नाम कराई गई है। रजिस्ट्री गलत हुई है। यदि रजिस्ट्री गलत होने का आरोप लगाया गया है तो इसकी जांच शुरू से आखिरी तक किए जाने की जरूरत समझी जा रही है। जमीन किन परिस्थितियों में बेची गई है अथवा बेची है तो किन परिस्थितियों में खरीदी गई है, यह भी सामने आना जरूरी हो गया है। ऐसे में इस संबंध में वास्तविक जांच की जाकर दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए, ताकि राजस्व विभाग पर लग रहे मौखिक आरोपों से बचा जा सके।

विचार-मंथन

खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर अंकुश नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिश है कि खुदरा महंगाई को चार फीसद से नीचे लाकर स्थिर किया जा सके, मगर तमाम कोशिशों के बावजूद इस पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। महंगाई के रुख को देखते हुए ही रिजर्व बैंक रेपो दर में बदलाव का कोई फैसला नहीं कर पा रहा है। काफी समय से बैंक दरें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि उद्योग समूह चाहता है कि रेपो दर घटाई जाए। जून महीने में खुदरा महंगाई 5.08 फीसद दर्ज की गई, जो कि पिछले चार महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। मई महीने में महंगाई का रुख कुछ नरम दिखा था, हालांकि रिजर्व बैंक को अंदाजा था कि जून और बरसात के महीनों में खुदरा महंगाई बढ़ेगी। रिजर्व बैंक का मानना है कि बरसात के बाद महंगाई उतार पर होगी और तब इसे स्थिर रख पाना संभव होगा। मगर यह दावा कितना सही होगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि पहले भी रिजर्व बैंक कई बार कह चुका है कि वह महंगाई को जल्दी ही काबू में ले आएगा। इस बार भी खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है।दैनिक उपभोग की खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार खाद्य महंगाई बढ़ कर 9.36 फीसद पर पहुंच गई है, जो मई महीने में 8.69 फीसद थी। जून महीने में अनाज के दामों में 8.75 फीसद, फलों में 7.15 फीसद, सब्जियों के दामों में 29.32 और दालों की कीमतों में 16.07 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जमीनी स्तर पर आम उपभोक्ता को इससे कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। बरसात के मौसम में तो कुछ कारण समझ आते हैं कि बाढ़ और बारिश की वजह से माल ढुलाई में बाधा आने की वजह से कई जगहों पर उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती। कई इलाकों में पानी भर जाने से फलों और सब्जियों की फसल चौपट हो जाने के कारण भी उनकी कीमतों में बढ़ोतरी देखी जाती है। मगर जून के महीने में ऐसी स्थिति नहीं होती। आमतौर पर बाजार में गेहूं और दालों की नई फसल की उपलब्धता रहती है, इसलिए भी इनकी किल्लत का तर्क नहीं रखा जा सकता। रोजी-रोजगार के मोर्चे पर संकट के दौर से गुजर रहे लोगों के सामने अनाज, फल और सब्जियों की बढ़ती कीमतों की कैसी मार पड़ रही होगी, अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। महंगाई पर काबू न पाए जा सकने के पीछे बाजार और विपणन के प्रबंधन में व्यवस्थागत कमजोरियां बड़ा कारण हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली जिन उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन अपने यहां भरपूर होता है, उन्हें सही ढंग से बाजार तक पहुंचाने की व्यावहारिक व्यवस्था अभी तक नहीं बन पाई है। उनकी जगह पर आयातित वस्तुएं बाजार में जगह बना लेती हैं, नहीं तो कोई कारण नहीं कि अक्सर किसानों को अपनी कच्ची फसलें सड़कों पर फेंकने को मजबूर होना पड़ता है। किसान मंडियों में महाजनों की मनमानी की शिकायत करते रहते हैं, पर फसलों की खरीद का व्यवस्थित इंतजाम करने पर ध्यान नहीं दिया जाता। पर्याप्त भंडारगृह और शीतगृहों के न होने से भी फसलें बाजार पहुंचने से पहले बर्बाद हो जाती हैं। जब तक खाद्य वस्तुओं के प्रबंधन पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल बैंक दरों के जरिए महंगाई पर अंकुश लगाना कठिन बना रहेगा

हमें जाति-जनगणना की नहीं कौशल जनगणना की जरूरत

एस. सुंदर राजन

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू योग्यता के आधार पर अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं। हमने 1990 के दशक में उनके प्रशासन को देखा है। जब आंध्र प्रदेश अविभाजित था, उस समय आंध्र प्रदेश की सड़कें गुणवत्तापूर्ण और उत्तम दर्जे की हुआ करती थीं। हम हमेशा आंध्र प्रदेश की सड़कों की तुलना कर्नाटक से करते थे। आंध्र प्रदेश का अवैज्ञानिक विभाजन बचे हुए आंध्र प्रदेश के लिए घातक था। इंद्रप्रस्थ (नई दिल्ली) की सरकार आंध्र प्रदेश की दयनीय आर्थिक स्थिति के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। आप कल्पना कीजिए, यह मेरी इच्छा नहीं है, अगर हम कर्नाटक को उत्तर और दक्षिण में विभाजित करते हैं तो उत्तर कर्नाटक को अगले 50 वर्षों तक नुकसान उठाना पड़ेगा। मैं भारतवर्ष को उत्तर और दक्षिण 2 भाग में विभाजित करना चाहता हूं, ताकि देश की एकता, अखंडता और प्रगति में इन 2 क्षेत्रों के योगदान को समझा जा सके। हजारों वर्षों से उत्तर ने योद्धा और राजनेता पैदा किए हैं। इसी तरह दक्षिण ने बुद्धिजीवियों को जन्म दिया है। योद्धाओं और बुद्धिजीवियों का यह संयोजन प्राचीन दुनिया में लगातार सफल राजवंशों और भारतवर्ष की आधुनिक दुनिया में सरकारों द्वारा हासिल किया गया संतुलन है, जिसे हमारे अज्ञानी लोग इंडिया, भारत और हिंदुस्तान कहते हैं। जब भी योद्धाओं और बुद्धिजीवियों के बीच असंतुलन होता है, अराजकता फैलती है और बाहरी दुनिया स्थिति का फायदा उठाती है। जब उत्तर और दक्षिण के बीच राज्यों की पहचान की बात आती है, तो हमारा आर्थिक वर्ग, राजनीतिक वर्ग और मुख्यधारा का मीडिया भी दक्षिण को केवल केरल, तमिलनाडु, पांडिचेरी, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक तक सीमित कर देता है। ये अज्ञानी लोग महाराष्ट्र को दक्षिण से अलग करते हैं। मैं महाराष्ट्र को दक्षिणी क्षेत्र का हिस्सा मानता हूं। अगर हम महाराष्ट्र को नजरअंदाज करेंगे तो हम योद्धा वर्ग की कमी को नहीं भर पाएंगे। दक्षिणी क्षेत्र में राष्ट्रीयता की बात करें तो महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। शरद पवार आज कमजोर हो सकते हैं। जिस दिन प्रधानमंत्री की नियुक्ति होनी थी, उस दिन शरद पवार ने सबसे पहले सोनिया गांधी की उम्मीदवारी का विरोध किया था। आंध्र प्रदेश ने 2 बेहतरीन राजनेता दिए हैं, एक हैं पी.वी. नरसिम्हा राव और दूसरे हैं वर्तमान चंद्रबाबू नायडू। पी.वी.एन. ने उस समय के हमारे बेहतरीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह को मौका दिया। उन्होंने किसी गुट की बात नहीं मानी। आज पूरा विपक्ष अपने चुनावी फायदे के लिए लोगों को जाति के आधार पर बांटने की साजिश कर रहा है। अगर हम चंद्रबाबू नायडू के नजरिए का सम्मान नहीं करेंगे तो हम जहाज से चूक जाएंगे। हमारी समृद्धि की गाड़ी इन अराजकतावादियों के कारण पटरी से उतर जाएगी। अगर हमारे मुस्लिम भाई-बहन सोचते हैं कि सनातन समाज में अराजकता पैदा करके वे समृद्ध हो सकते हैं तो यह उल्टा होगा। आपकी आजीविका सनातन

समाज से जुड़ी हुई है। जब हम अपने धार्मिक स्थलों की तीर्थ यात्रा करते हैं तो वहां मुस्लिम दुकानदार होते हैं। वहां मुस्लिम फूल विक्रेता होते हैं। कपूर, अगरबत्ती और अन्य सामानों के मुस्लिम निर्माता होते हैं। आप सांस्कृतिक रूप से एक निष्पक्ष सनातनी/हिंदू और धार्मिक रूप से मुसलमान हैं। यदि इस्लाम आपकी समृद्धि की गारंटी दे सकता है, तो अफगानिस्तान और पाकिस्तान में आर्थिक उथल-पुथल क्यों है। वे एक दिन में 2 भोजन नहीं जुटा पा रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर के बनने से हमारे मुस्लिम भाई भी समृद्ध होंगे क्योंकि यहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी और वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। इस मंदिर द्वारा संचित धन का कुछ हिस्सा शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा। हमारे लिए मंदिर आस्था के अलावा आर्थिक केंद्र भी हैं। आइए हम जाति जनगणना के मुख्य पहलू पर आते हैं जैसा कि हमारे आधुनिक राजनेता बताते हैं। इस पहलू पर विचार करने से पहले हमें उस आधार को संबोधित करना होगा जिस पर उन दिनों जाति खड़ी थी। हम इसे वर्ण कहते थे।

छात्रों को किफायती मैडीकल कॉलेज दरकार हैं...

डा. वरिन्द्र भाटिया

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मैडीकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यू.जी.' 2024 को रद्द करने की अर्जी पर सुनवाई करते हुए सख्त रूप अपनाया है। माननीय सी.जे.आई. चंद्रचूड़ जी ने कहा, ''पेपर लीक पर विवाद नहीं किया जा सकता। हम इसके परिणामों पर भी विचार कर रहे हैं। हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं, लेकिन दोबारा परीक्षा पर निर्णय लेने से पहले हमें हर पहलू पर गौर करना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम 23 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं।'' माननीय सुप्रीम कोर्ट की प्रवेश परीक्षाओं को लेकर टिप्पणी अत्यंत संजीदा है और यह हमारे छात्रों के भविष्य को लेकर दूरदर्शिताओं की अभिव्यक्ति भी करती नजर आ रही है। प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण छात्रों और अभिभावकों का विश्वास क्यों डोल रहा है इससे जुड़े कुछ तथ्य विचारणीय हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के अनुसार, देश की युवा आबादी (15-29 वर्ष की आयु) में बेरोजगारों की संख्या 83 प्रतिशत है और उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों के बेरोजगारों की संख्या 'बहुत खराब' है। संयोग से ये राज्य पेपर लीक के मामले में सबसे अधिक संवेदनशील हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे दक्षहदी भाषी राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती समस्या काफी हद तक स्थिर आर्थिक माहौल का प्रतिबिंब है, जहां रोजगार के अवसर सीमित हैं। देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से के राज्यों की तुलना में इन राज्यों में कोई समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र नहीं है, जहां निजी क्षेत्र रोजगार प्रदान करने में आगे आ सकता है। इन राज्यों में पेपर लीक के मूल में इनकी कमजोर अर्थव्यवस्था है, जो पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करने में विफल हो रही है, जिससे सरकारी नौकरियों की मांग बढ़ रही है। पिछले 5 साल में उत्तर प्रदेश से पेपर लीक की 8, राजस्थान और महाराष्ट्र से करीब 7-7 और बिहार से पेपर लीक की 6 खबरें सामने आई हैं, जिसमें 2023 के कांस्टेबल और शिक्षक भर्ती परीक्षा भी शामिल हैं। गुजरात और मध्य प्रदेश में करीब 4 मामले सामने आए हैं। पेपर लीक कांड का एक कारण देश में मैडीकल कॉलेज कम होना भी है। देश में मैडीकल शिक्षा की आपूर्ति की बात करें तो इस वक्त मैडीकल शिक्षा जैसे स्ट्रीम पर बहुत ज्यादा बोझ है।

असंतोष का भाव ही अभाव का कारण...

वंदना सेन

किसान के मन में अगर संतोष है, तो वह सबसे ज्यादा अमीर है। इसी सिरे से यह भी कहा जा सकता है कि अगर व्यक्ति के मन में शांति है तो वह सबसे ज्यादा सुखी है। इसी तरह अगर किसी के मन में दया है तो वह श्रेष्ठ है और अगर वह स्वस्थ है तो भाग्यशाली है। ये सब बातें केवल कहने या पढ़ने मात्र के लिए नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने का एक ऐसा मंत्र हैं, जो व्यक्ति की निराशा में आशा का संचार करती हैं। इन विचारों की व्याख्या की जाए तो यही कहा जा सकता कि व्यक्ति अगर दूसरे के जैसा होने का प्रयास करेगा, तो उसके जीवन में असंतोष का भाव निर्मित होगा। यह असंतोष का भाव ही अभाव का कारण बनता है, क्योंकि अपने मन में उपजी हर इच्छा को कई सीमाओं की वजह से पूरा करना संभव नहीं हो पाता है। इसके बाद जब अभाव का प्रभाव जीवन पर होता है, तब निराशा आती है। कहते हैं, जितनी बड़ी चादर होती है, उतना ही पैर पसारना चाहिए। यानी व्यक्ति की जितनी आय है, उतने में ही काम चलाना चाहिए। अगर हम अपनी आय से अधिक खर्च करते हैं, तो जीवन में कई प्रकार की समस्याएं बिना बुलाए ही आ जाएंगी। दुनिया में बहुत सारे लोग हैं, लेकिन सबके काम अलग-अलग प्रकार के हैं। मसलन, एक कक्षा के सभी विद्यार्थी आगे चलकर एक जैसे अधिकारी या कर्मचारी नहीं बनते। उनमें से कोई कलेक्टर या जिलाधिकारी बनता है, तो उन्हीं में से कोई चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी भी बनता है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि युवा पढ़ाई के समय परिश्रम करता है, उसे बाद में आराम मिलता है और जो पढ़ाई के समय लापरवाही करता या मौज-मस्ती करता है, उसे बाद में परिश्रम करना पड़ता है। माना जाता है कि जीवन में दो अवस्थाएं होती हैं। व्यक्ति के जीवन में अच्छे दिन भी आते हैं और बुरे दिनों का भी सामना करना होता है। बुरे दिन यानी अभाव का दौर, जिसमें खुद को बचाने के लिए केवल परिश्रम करना पड़ता है। यों युवा अवस्था परिश्रम करने के दौर के रूप में देखी जाती है। इस दौर में परिश्रम नहीं किया तो भविष्य में उसे परिश्रम करने के लिए तैयार रहना ही होगा। अगर हमारा पेट दस रुपए में भर जाता है तो उसके लिए पचास रुपए व्यय करने की इच्छा करना उचित नहीं। इसलिए कहा जाता है, संतोष जीवन का सबसे बड़ा धन है। जिसके पास संतोष है, वह सबसे बड़ा अमीर है, क्योंकि व्यक्ति की इच्छाओं का कोई अंत नहीं होता। यह सही है कि किसी चीज की इच्छा करने से ही वह प्राप्त होती है। मगर क्या उसकी कोई सीमा होगी? आज एक इच्छा पूरी हुई तो कल दूसरी इच्छाएं पैदा हो जाएंगी। एक बात जरूर ध्यान रखना चाहिए कि कुदरत का दिया हुआ कभी अल्प नहीं होता। हमारी इच्छाएं उसे अल्प बना देती हैं। इसी प्रकार अशांत मन दुख को बढ़ावा देता है। जीवन में जितने भी तनाव आते हैं, उसके पीछे का मुख्य कारण मन की अशांति ही है। हमारे मन के किसी कोने में सुख और दुख दोनों ही विद्यमान रहते हैं, जो अलग-अलग परिस्थितियों के मुताबिक उभरते हैं। किसी वस्तु के प्रति बेलगाम आसक्ति अशांति लाती है। खासतौर पर तब, जब वह अप्राप्य हो। वर्तमान में अशांत मन को शांत करने के लिए व्यक्ति अनेक प्रकार के प्रयत्न कर रहा है, लेकिन उसे शांति नहीं मिल रही। दरअसल, ज्यादातर लोगों के जीवन में भटकाव है। लोगों ने स्थिरता को एक तरह से भुला दिया है या उन्हें भूलना पड़ा है। इससे निवृत्ति के लिए योग का सहारा लेना पड़ रहा है। अगर मन की शांति चाहिए तो सबसे पहले अपने विचारों को सात्विक करना होगा। ऐसा करने से सकारात्मक दिशा का बोध होगा, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करेगा। ऐसा करने के लिए हमको सबसे पहले अपनी दिनचर्या को ठीक करना होगा। यह दिनचर्या में स्वकेंद्रित जीवन के मुकाबले सबके हित के बारे में सोचना और अपनी बनाई चारदीवारी से बाहर आना होगा। मन को शांत रखने के लिए संतोष को माध्यम बनाने से लेकर एकांत और विचार का रास्ता अपनाया जा सकता है। कुछ रास्तों से मिली शांति ही सुख का जरिया बनेगी। अपने मन को निर्मल बनाने के लिए हमें दूसरों के दुख को महसूस करने की जरूरत है। हमारे अंदर दया का भाव होगा तो हम एक गरीब व्यक्ति का हौसला बढ़ाने का कार्य कर सकते हैं। आज व्यक्ति को 'मैं' में घिरे भाव ने बुरी तरह घेर लिया है। यह 'मैं' अहंकार लाता है। हमको व्यक्ति-केंद्रित सोच के मुकाबले सामूहिकता की तरफ कदम बढ़ाना होगा। जब 'हम' का बोध होगा, तो यहीं से हमको समाज भी अपना दिखाई देगा। यह वास्तविकता है कि हम अकेले नहीं हैं। हम एक बड़े समाज के हिस्सा हैं।

ईरानी महिलाओं का भारतीय मुस्लिम महिलाओं को संदेश

इज़राइल-फ़िलिस्तीन संघर्ष में मध्य-पूर्व में ईरान ही हमास का प्रमुख समर्थक रहा है। पश्चिम विरोधी नीतियों के कारण भी इनकी स्थिति असहज होती रही है। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने तो सीधे इसराइल पर आक्रमण करके अभूतपूर्व स्थिति निर्मित कर दी थी। इससे दोनों देश आमने-सामने आ गए थे। ईरान में इन दिनों चाँद चौदहवीं की ओर बढ़ रहा है और साफ़ साफ़ भी दिख रहा है। अन्य दिनों- महीनों की अपेक्षा ईरान में कुछ अधिक ही खुशगवार मौसम छाया हुआ है। ईरान के निर्वाचन में सुधारवादियों की विजय एक बड़ी ऐतिहासिक घटना सिद्ध हो सकती है। विशेषतः मुस्लिम महिला जगत के लिए ईरान के चुनावों में मसूद पेज़ेश्कियान की विजय कुछ नये मार्ग खोलते हुए दिखाई पड़ती है। पेज़ेश्कियान सुधारवादी नेता हैं व हिजाब के ऊपर लगे हुए सख्त क़ानून के भी बड़े विरोधी हैं। इन मायनों में ईरानी महिलाओं को पेज़ेश्कियान से बहुत बड़ी आशाएँ हैं। माना जाता है कि मुस्लिम स्त्री वर्ग ने हिजाब विरोधी दृष्टिकोण व कट्टरता विरोधी छवि व ऐसे ही चुनावी वादों के कारण पेज़ेश्कियान को बड़ी एकतरफ़ा मतदान किया है। भारत में हिजाब को लेकर एक बड़ा झंझावात चल रहा है। भारतीय मुस्लिम पुरुष समुदाय जहां हिजाब के पक्ष में खड़ा है वहीं मुस्लिम महिलाएं हिजाब, बुर्के व नक़ाब आदि को अपनी स्वतंत्रता व शिक्षा में बाधा मानती हैं। अनेक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि वस्तुतः भारतीय मुस्लिम स्त्री समुदाय की अशिक्षा का एक बड़ा कारण बुर्का, हिजाब व नक़ाब ही है। ईरान में राष्ट्रपति रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात चुनाव कठिन लगने लगे थे। किंतु, अब जब चुनाव हो गये हैं तो ईरान एक नये स्वरूप में व नये मार्ग पर दिखाई दे रहा है। जेल में बंद नरगिस मोहम्मदी जैसी संघर्षशील महिला भी इन चुनावों के प्रति उदासीन व निराश थीं व उन्हें लगता था कि इन चुनावों का बहिष्कार ही एक मात्र उपाय है। न जाने क्या हुआ कि इस चुनाव में ईरान के सुधारवादियों, विशेषतः पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी को नई आशा की किरण दिखाई दी। खातमी ने निष्क्रियता छोड़ी व मसूद पेज़ेश्कियान के समर्थन में कूद पड़े। चुनाव के प्रथम चरण में चुनाव चाहने वालों व बहिष्कार करने वालों के मध्य संघर्ष हुआ फलस्वरूप मतदान का प्रतिशत चालीस से भी नीचे चला गया था। दूसरे चरण में कट्टरपंथी जलीली व पेज़ेश्कियान के मध्य सीधे चुनाव में एकेडेमिक छवि वाले ज़रीफ़ ने पेज़ेश्कियान के लिए सघन अभियान चलाया। ज़रीफ़ व पेज़ेश्कियान ने घोषणा की कि, उनकी विदेश नीति न तो पश्चिम विरोधी है और न ही पूरब विरोधी। इन दोनों ने रईसी की रूस और चीन से लगाव की नीति की आलोचना की। ईरान के आर्थिक संकट को हाल करने हेतु भी उन्होंने अपना रोडमैप प्रस्तुत किया। परमाणु विषय पर व्यवस्थित बात करने व ईरान पर लगे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने हेतु भी वे संकल्पित दिखाई पड़े। यद्यपि ईरान की आंतरिक व्यवस्थाओं के कारण निर्णय प्रक्रिया पर पूर्ण अधिकार अब भी सर्वोच्च धार्मिक नेता ख़ामनेई का ही रहेगा। ख़ामनेई के कट्टरपंथी दृष्टिकोण को चुनाव के बाद की क़ुद्स फ़ोर्स से संबंधित से बातों से समझा जा सकता है जो उन्होंने कही है। ईरान की नीतियों पर क़ुद्स का प्रभाव सदैव रहता है। क़ुद्स फ़ोर्स आईआरजीसी की बाहरी इकाई है व राष्ट्रपति के पास इस पर सीधे नियंत्रण का अधिकार नहीं होता है। केवल ईरान के सर्वोच्च नेता ही यह निर्णय करते हैं कि क़ुद्स को क्या करना चाहिए और क्या नहीं। ख़ामनेई ने समूची चुनावी प्रक्रिया के मध्य इस बात को दोहराते रहे हैं कि क़ुद्स फ़ोर्स जो कर रही है वो देश की सुरक्षा नीतियों की दृष्टि से अनिवार्य है।

मंत्र शक्ति का प्रभाव विधि के विधान को भी बदल देता है

श्री तलाई वाले बालाजी मन्दिर में प्रचुर वर्षा की कामना करते हुए पर्जन्य यज्ञ का हुआ आयोजन

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर की यज्ञ शाला में दो दिवसीय विशेष अनुष्ठान के द्वितीय दिवस नगर ओर क्षेत्र में प्रचुर वर्षा की कामना करते हुए पर्जन्य यज्ञ हुआ।

यज्ञ की संकल्प विधि करते हुए आचार्य डॉक्टर देवेंद्र शर्मा शास्त्री ने कहा कि शास्त्रों में पर्जन्य यज्ञ का प्राचीन विधान है। यह यज्ञ करने से मंत्र शक्ति से धुंए बादल बनते हैं और प्रचुर वर्षा होती है। पर्जन्य यज्ञ का फल अवश्य मिलता है। भगवान श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर के इस पवित्र परिसर में उनके सानिध्य में प्रचुर वर्षा की कामना के लिए पर्जन्य यज्ञ का यह अनुष्ठान अवश्य फलदायी होगा।पर्जन्य यज्ञ के शुभारंभ के समय संकल्प विधि में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर और नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर जोडे से सम्मिलित हुए। यज्ञाचार्य डॉ देवेंद्र शास्त्री ने और अन्य विद्वान आचार्य द्वारा वैदिक मंत्र उपचार के साथ संकल्प विधि को पूरा कराया इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि हमारे वेदों में जो ज्ञान निहित है उसी से विज्ञान

का प्रादुर्भाव हुआ।हमारे मंत्रों में इतनी शक्ति होती है कि वे विधि के विधान को भी बदल सकते हैं। पर्जन्य यज्ञ से भगवान बालाजी की कृपा होगी और क्षेत्र में नगर में प्रचुर वर्षा होगी और यह अनुष्ठान निश्चित ही सफल होगा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि हम मनुष्य जब संकट में होते हैं तो धर्म की शरण में जाते हैं। निश्चित ही नगर में अल्प वर्षा की स्थिति होने से सभी बेचैन है और अब हम सब भगवान श्री तलाई वाले बालाजी की शरण में आए हैं और पर्जन्य यज्ञ का पूरा प्रभाव होगा और क्षेत्र में भरपूर वर्षा होगी जिससे प्रगति और खुशहाली के रास्ते प्रशस्त होंगे। विद्वान आचार्य के मार्गदर्शन में दो दिवसीय इस विशेष अनुष्ठान के प्रथम दिन भगवान शिव का महा अभिषेक हुआ और दूसरे दिन दो सत्रों में पर्जन्य यज्ञ की विधि पूरी कराई गई पांच जोडे सर्वश्री डॉ.कुशल शर्मा, ब्रजेश जोशी, विकास अग्रवाल, रामेश्वर गर्ग ओर शैलेंद्र आचार्य यज्ञ में सपत्नीक बैठासायं काल के सत्र में पूर्णाहुति के साथ यज्ञ संपन्न हुआ।

2006 में भी हुआ था पर्जन्य यज्ञ ..56 इंच वर्षा हुई थी– वर्ष 2000 शुरू होते ही नगर में अल्प वर्षा का दौर शुरू हुआ। साल दर साल मानसून में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से नगर में काफी विकट परिस्थितियां बनने लगी थी। वर्ष 2006 में छिपकली वाले बालाजी मंदिर में प्रचुर वर्ष की कामना के लिए इसी तरह परिजन यज्ञ किया गया जो मंदसौर नगर में पहली बार हुआ था उसे यज्ञ का प्रभाव यह हुआ कि उसे वर्ष नगर में 56 इंच वर्षा हुई जो की औसत वर्षा से लगभग दुगुनी मात्रा में थी।

जन्म-मृत्यु पंजीयन पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण 22 से 24 जुलाई तक

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री कुमार सत्यम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिलां पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिले में जन्म-मृत्यु आनलाईन पंजीयन के कार्य को सरलता एवं सुगमता से करने हेतु ठर्शीराशिवे पोर्टल प्रारंभ किया गया है। जिसका जनपद स्तर पर प्रशिक्षण 22 जुलाई से 24 जुलाई 2024 तक प्रदाय किया जाएगा। जनपद पंचायत मंदसौर का प्रशिक्षण 22 जुलाई को प्रात: 10 बजे, जनपद पंचायत मल्हारगढ का प्रशिक्षण 22 जुलाई को 2.30 बजे, जनपद पंचायत सीतामऊका प्रशिक्षण 24 जुलाई को प्रात: 11.30 बजे कुशाभऊठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में, जनपद पंचायत गरोठ का प्रशिक्षण 23 जुलाई को प्रात: 10 बजे जनपद पंचायत सभागृह गरोठ एवं जनपद पंचायत भानपुरा का प्रशिक्षण 23 जुलाई को 2.30 बजे जनपद पंचायत सभागृह भानपुरा में दिया जाएगा।

मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय व मत्स्य परिवहन पर 15 अगस्त तक प्रतिबंध

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा-3(2) के अंतर्गत 15 अगस्त 2024 तक की अवधि में मत्स्याखेट निषेध किया गया है। इस दौरान मत्स्याखेट की रोकधाम मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय व मत्सय परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा-3(2) के प्रावधानों के विरूद्ध एवं मत्स्य क्षेत्र संशोधन अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लघनकर्ताओं को एक वर्ष तक का कारावास या 5 हजार रूपये का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने दी क्षेत्र में दी सौगात 16 स्कूलों का किया उन्नयन

जिसमें आठ हायर सेकंडरी व आठ हाई स्कूल का उन्नयन

पिपलियामंडी, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र में स्कूल शिक्षा के स्तर पर निरंतर उन्नति के लिए मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री व मल्हारगढ के लोकप्रिय विधायक श्री जगदीश देवडा निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में आठ माध्यमिक शालाओं का हाई स्कूल में एवं हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया गया है।

उन्नयन होने जा रहे सभी विधलायो मे जाने वाले छात्र छात्राओं के उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने शुभकामनाएं संदेश भी दिया है उन्होंने कहा की। मेरे प्यारे बच्चों, आप मेहनत करें और खूब मन लगाकर पढें, मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली सरकार आपकी पढाई में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। जिन स्कूलों का उन्नयन किया गया है उनमे गोपालपुरा, खात्याखेडी, मुंदडी, देवरी, सुठोद, सनावदा, माल्या खेरखेडा, पटलावद, को माध्यमिक स्कूल को हाई स्कूल मे उन्नयन व लसुडिया राठौर, टिडवास, ढाबला, सेमली, जेतपुरा, सुरी, उदपुरा, हतुनिया के हाई स्कूल को हायर् सेकेण्डरी स्कूल मे उन्नयन करने पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया सहित नगर व क्षेत्रवासियों प्रदेश् सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवडा का आभार व्यक्त किया साथ श्रीमती देवरिया मे यह भी माननीय श्री देवडा प्रदेश के अलावा विधानसभा क्षेत्र मे लगातार अमूल चूल विकास कार्य लगातार कर रहे आमजन मे काफी उत्साह है।

सीटीसी सीआरपीएफ के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल में विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ हुई मूर्ति स्थापना

नीमच, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीटीसी सीआरपीएफ के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल में हवन पूजन उपरांत देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई।बुधवार को सीटीसी सीआरपीएफ के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा तथा अनुष्ठान का शुभारंभ श्री संदीप दत्ता, प्राचार्य सी टी सी नीमच तथा श्रीमती रजनी दत्ता के करकमलों से हुआ। पंडितजी ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन में आहुतियां समर्पित कराई। इसके बाद भगवान राधा कृष्ण व शिक्षा की देवी माता सरस्वती जी की मूर्तियां स्थापित की गई। पंडित जी ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करवाई, जिसमें श्री राम किशन डीआइजी, वेद प्रकाश कमांडेंट, बडी संख्या में सीआरपीएफ के अन्य अधिकारियों, परिवारजनों, स्टाफ व ट्रेनीज ने बढ -चढकर हिस्सा लिया। भजन एवं कीर्तन किए गए।मूर्ति स्थापना के दौरान मुख्य अतिथि सीटीसी प्रिंसिपल श्री संदीप दत्ता ने कहा कि प्रार्थना स्थल से लोगों की आस्था जुडी है। प्रार्थना मे बडी शक्ति होती है। हमें सामाजिक समरसता, भाईचारा, जीवदया आदि का संदेश मिलता है। हमें समाज में आपसी मेलजोल को बढावा देते हुए सामाजिक समरसता को बनाए रखने में भी आगे रहना चाहिए।

आर्य समाज मंदिर में आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आज

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में आज 18 जुलाई, गुरुवार को प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक आर्य समाज मंदिर तरण ताल के सामने दूसरी मंजिल मंदसौर आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें वैद्य ओमप्रकाश देवासी एवं थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया एम.डी. (एक्यू.) द्वारा अपनी सेवाएं दी जाएगी। इस शिविर में जर्मन टेक्नोलॉजी बॉडी एनालाइजर मशीन द्वारा पूरे शरीर की जांच करके बीमारियों का पता लगाकर देशी दवाइयों व एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से कब्ज, गैस, खांसी, पित, सफेद पानी, खून की कमी, अस्थमा, बीपी, शुगर, नसों में ब्लॉकेज, माइग्रेन, थायराईड, शुक्राणु की कमी, पीलिया, कोलेस्ट्रोल, हृदय रोग, स्वपन दोष, हाइटन बढ़ना, चर्मरोग, वजन का घटना व बढ़ाना आदि सभी बीमारियों का सफल इलाज किया जाएगा। शिविर में निसंतान दंपति भी सम्पर्क कर सकते है। मंदसौर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों से आज 18 जुलाई को आयोजित इस आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिये मो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की अनुशंसाएं आमंत्रित

राज्य एवं जिला स्तरीय समितियां गठित, प्रत्येक जिले से 3 उत्कृष्ट अनुशंसाएं भेजे जाने के निर्देश

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में वर्ष 2024 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की प्रक्रिया प्रचलन में है। प्रत्येक जिले से 3 उत्कृष्ट शिक्षकों की अनुशंसाएं 25 जुलाई 2024 तक भेजे जाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को दिये गये हैं। उत्कृष्ट अनुशंसाओं के चयन के लिये जिला और राज्य स्तर पर चयन समितियां गठित की गई हैं।

जिला स्तरीय चयन समिति में जिला शिक्षा अधिकारी को अध्यक्ष, जिला डाइट के प्राचार्य और प्रतिष्ठित शिक्षाविद को सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है। शिक्षाविद की नियुक्ति कलेक्टर की अनुशंसा पर की गई है। राज्य स्तर पर भी चयन समिति सचिव स्कूल शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में गठित की गई है। अन्य सदस्यों में भारत सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। राज्य स्तरीय समिति के सदस्य सचिव आयुक्त लोक शिक्षण बनाये गये हैं।

समय सारणी–केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की ऑनलाइन प्रक्रिया की समय सारणी तैयार की है। जिला स्तरीय चयन समिति 3 अनुशंसाएं 25 जुलाई तक राज्य स्तर पर भेज सकेंगे। राज्य स्तरीय चयन समिति 'नेशनल ज्यूरी' नई दिल्ली को राज्य से 6 उत्कृष्ट शिक्षकों की अनुशंसाएं 4 अगस्त 2024 तक भेज सकेंगे। केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट शिक्षकों के चयन के लिये निर्धारित मापदंड की गाइड लाइन स्कूल शिक्षा विभाग को प्रेषित की है। गाइड लाइन स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर भी प्रदर्शित की गई है।

राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण–स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एनसीईआरटी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण (एनएएस) 2024 कक्षा 3, 6 और 9 की पायलेटिंग का कार्य सीहोर जिले में 19 जुलाई 2024 को राज्य स्तर से चयनित सेम्पल शालाओं में शाला स्तर पर किया जाएगा। इस कार्य के लिये फील्ड इन्वेस्टीगेटर्स तैयार किये गये हैं। फील्ड इन्वेस्टीगेटर्स का दायित्व डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों को सौंपा गया है। सर्वेक्षण के रिजल्ट वास्तविक आ सकें, इसके लिये 30 छात्रों पर एक फील्ड इन्वेस्टीगेटर नियुक्त किया गया है। सीहोर जिला शिक्षा अधिकारी को यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया हैं कि सर्वेक्षण कार्य के दौरान चयनित शालाओं में दर्ज विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो। इस कार्य के लिये प्राचार्य डाइट, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वय समेत फील्ड में पदस्थ स्कूल शिक्षा विभाग के अमले को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिये गये हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सीहोर कलेक्टर को भी इस संबंध में पत्र लिखकर आवश्यक निर्देश दिये हैं।

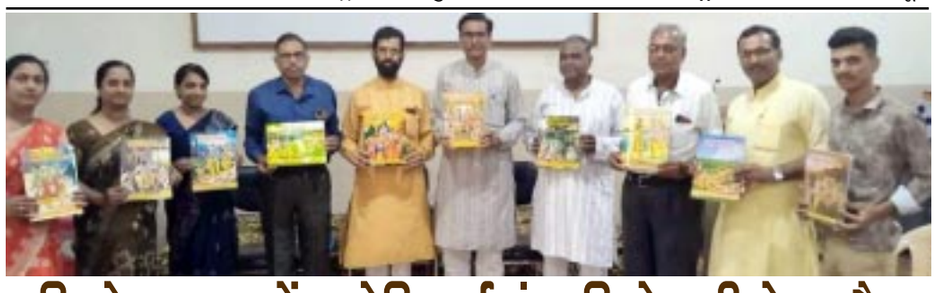

शास्त्रों अनुसार प्रतिदिन प्रात: एक संकल्प लेकर परमात्मा को अर्पण करने से हो जाती है श्वाशों की सार्थकता...

स्वामी महेश चेतन्य महाराज के मुखारविंद चल रही शिव महापुराण कथा

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मनुष्य 24 घण्टे में 21600 श्वास लेता ओर निकालता है। इस सांस का मोल नहीं जानता है। शास्त्रों अनुसार प्रतिदिन प्रात: एक संकल्प लेकर परमात्मा को अर्पण करने से श्वाशों की सार्थकता हो जाती है। क्योंकि लोहार की धौंकनी मृतक पशु के चमडे की होती है जो भी हवा लेती ओर निकालती है। यह उद्गार मालवा स्वामी पं. श्रीकृष्ण वल्लभ शास्त्री ने व्यक्त किये। चेतन्य आश्रम मेनपुरिया (मन्दसौर) में स्वामी महेश चेतन्य महाराज के मुखारविंद चल रही शिव महापुराण कथा विश्राम के दूसरे दिवस संक्षिप्त उदबोधन में पं.शास्त्रीजी ने आगे कहा कि जब हम आसन पर ध्यान मुद्रा में बैठकर श्वास लेना व निकालना की ध्वनि सुनते हैं तब श्वास निकालते समय श्ह श् स्वर ओर अंदर लेते समय श्स श् की आवाज आती है। ये हंस हंस शब्द आध्यात्मिक जगत में निर्गुणी भजनों में हंस यानी जीव को बताया है। यह जीव शरीर मे है तब तक जिंदा है।

विरक्त आश्रम रामघाट, मंदसौर (म.प्र.) प्रवास पर विराजमान परम पूज्य आचार्य स्वामी आनद स्वरूपानंदजी सरस्वती महाराज, ऋषिकेश वाले का दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त कर, चेतन्य आश्रम मेनपुरिया में आयोजित शिवमहापुराण कथा, व गुरुपूर्णिमा महोत्सव में पधारने का विनम्र निवेदन किया। युवा संत स्वामी महेश चेतन्य जी महाराज के साथ, गुजरात, राजस्थान के संत और मालवा स्वामी पं. श्रीकृष्ण वल्लभ शास्त्री, भागवतभूषणाचार्य ने स्वामी जी को आमंत्रण पत्र दिया। जिसे स्वामी जी ने स्वीकार कर सभी को आशीर्वाद व प्रसाद प्रदान किया। यंहा सभी संतजनों का परिचय भी स्वामी महेश चेतन्य जी महाराज ने करवाया।

सविम केशव नगर में आयोजित हुई संस्कृति बोध परियोजना बैठक

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मेआज संस्कृति बोध परियोजना के अंतर्गत विद्या भारती मध्य क्षेत्र अभियान प्रमुख श्री विष्णु जी आर्य द्वारा संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीयन व प्रसार विषय पर बैठक ली गई। जिसमे समाज को अपनी भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करना व समाज को जोडने के लिए समिति परिवार, आचार्य व पूर्व छात्र की बैठक ली जिसमे निम्न बिन्दुओ पर मार्ग दर्शन दिया।

(1) विद्यालय के अभिभावको के साथ बैठक और सम्पर्क। (2) विद्यालय के अभिभावको में जो अन्य विद्यालय में शिक्षक है, उनकी संस्कृतिक ज्ञान परीक्षा में सहभागिता। (3) विद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ संस्कृति ज्ञान परीक्षा पर बैठक करना और पूर्व छात्रों की सहभागिता बढाने की योजना बनाना। (4) संस्कृतिक बोध अभियान में समिति सदस्यों की बैठक और सहभागिता। (5) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी कार्यकर्ताओं से सम्पर्क और संस्कृतिक बोध अभियान पर सहयोग का आग्रह करना। (6) अन्य विद्यालय के प्राचार्य और संचालकों के साथ संस्कृति ज्ञान परीक्षा के महत्व पर बैठक करना और उनके विद्यालय के छात्रो को संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सहभागी बनाने की योजना बनाना आदि विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। इस बैठक में मंदसौर विभाग समन्वयक श्री राघवेन्द्र जी देराश्री एवं प्रो राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार जी सोहोनी उपस्थित रहे अतिथि स्वागत समिति सदस्य श्री प्रमोद जी सेठिया व दिनेश जी पालीवाल ने किया, आभार विद्यालय प्राचार्य श्री संतोष यादव ने व्यक्त किया।

भाजपा बूढ़ा मंडल में प्रारंभ हुआ एक पेड़ मां के नाम अभियान

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय एंव प्रदेश के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के आथित्य में एंव भाजपा बुढा मंडल अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह राणा के नेतृत्व में बुढा मंडल के ग्राम टिडवास में एक पेड मॉ के अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम में अंत्योदय प्रकोष्ठजिला संयोजक पुलकित पटवा, किसान मोर्चा जिला कार्यालय मंत्री दलपतसिंह डांगी, भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी विनय धनगर ने भी सहभागीता की। वृषारोपण के कार्यक्रम के पूर्व अतिथिगणों का स्वागत बुढा मंडल के पदाधिकारीयों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव का सामना कर रहा है। आज प्रकृति की अनदेखी से विश्व के साथ देश में कहीं अत्यधिक बारिश तो कही औसत से कम बारिश का सामना जनता कर रही है। अब समय आ गया है की हम सबको मिलकर प्रकृति के बिगड़े हुए संतुलन को साधना होगा। हमें वृक्ष लगायेगें - पर्यावरण बचायेगें एंव जल ही जीवन है के मंत्र को आत्मसात कर वृक्ष और जल की आवश्कता को समझना होगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रकृति संतुलन को कायम रखने के लिये एक पेड मॉ के नाम अभियान का शुभारंभ पुरे देश में कर दिया है। हमें भी अपने-अपने निवास क्षेत्र पर कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लेना होगा। मुझे प्रसन्नता है की भाजपा बुढा मंडल ने वृक्षारोपण का सार्वजनिक कार्यक्रम कर प्रकृति संतुलन बनाये रखने की दिशा में अपने कदम बढाये। बुढा मंडल के सभी कार्यकर्ताओं का बहुत-बहुत आभारी हूँ। कार्यक्रम में स्वागत भाषण भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह राणा ने दिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री सुनील शर्मा ने किया एंव आभार महेश डांगी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल महामंत्री गोविंद कंडारा, जनपद पंचायत मल्हारगढ उपाध्यक्ष फकीरचन्द्र धनगर, महेश डांगी, मांगीलाल डांगी, रामप्रसाद डांगी, देवीलाल मालवीय, कैलाश डांगी, भेरूलाल रावत, बाबुलाल गायरी, प्रहलादसिंह डांगी मारसाब, हरिशंकर माली, राहुल पाटीदार, अनिल शर्मा, इन्दरमल राठौर, हंसा सोनी सहित कई पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

नर्सिंग नियुक्ति हेतु उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के शासकीय नर्सिंग कॉलेज में मध्य प्रदेश लेवल की परीक्षा आयोजित कर छात्राओं को अनुबंध के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है जिसमें शासन द्वारा भत्ता भी प्रदान किया जाता है 2018-19 से 2021-22 बैच की छात्रों की ट्रेनिंग पूर्ण हुए डेढ वर्ष से अधिक समय हो गया है किंतु अभी तक इन्हें नियुक्ति प्रदान नहीं की गई है कुछ छात्राओं को मेरिट के आधार पर नियुक्ति आदेश फरवरी में निकला गया व छात्राओं को एम वाय मेडिकल कॉलेज इंदौर नियुक्ति हेतु बुलाया गया पूरा दिन उन्हें वहां बिठाने के बाद जारी किए गए आदेश को निरस्त कर दिया गया और चार दिन पश्चात लिस्ट में संशोधन कर अन्य छात्रों को नियुक्ति प्रदान कर दी गई इस तरह की कई गडबडियां निरंतर रूप से इन छात्रों को सहन करनी पड रही है प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात भी मध्य प्रदेश की 200 से अधिक नर्सिंग छात्राएं अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रही हैं इससे संबंधित कई पत्र यूनिवर्सिटी के डीन व स्वास्थ्य मंत्री को दिए गए किंतु अभी तक नियुक्ति नहीं होने के कारण उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवडा के मंदसौर आगमन पर मंदसौर की नर्सिंग छात्राओं ने मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया इस अवसर पर डॉ. क्षितिज पुरोहित ने माननीय उपमुख्यमंत्री जी को पूरी जानकारी दी माननीय मुख्यमंत्री ने इससे संबंधित सभी दस्तावेज की प्रति अपने पास रख जल्द से जल्द इस पर कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया।

एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम सम्पन्न

पिपलियामंडी, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बरखेडा पंथ में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। परिसर में पौधे लगाए गए। भाजपा अन्त्योदय मंडल संयोजक कैलाश पोरवाल ने सभी से पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सामंतसिंह शक्तावत, सरपंच अभिमन्यु कारपेंटर, जनपद सदस्य महेश पाटीदार, मीडिया प्रभारी दशरथ पाटीदार, मनीष रतनावत आदि मौजूद रहे।

दशपुर रंगमंच ने गीतों से सजी संगीत संध्या आयोजित की

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच मंदसौर द्वारा विभिन्न गीतों से सजी संगीत संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजकुमार अग्रवाल ने सदाबहार गीत ये जमी गा रही है, आसमां गा रहा है से की। योगेश गोविन्दानी ने दिन ऐसे गुजरता है कोई को सुनाया। हिमांशु वर्मा ने किसी राह में किसी मोड पर, कही चल ना देना तू छोडकर की सुमधुर प्रस्तुति दी। डॉ. निलेश नगायच ने गीत जब-जब बहार आई फूल मुस्कराये, मुझे तुम याद आये को सुनाया। अभय मेहता ने गीत टूटे हुए ख़्वाबों ने हमको ये सीखाया सुनाकर तालियां बटोरी। लोकेन्द्र पाण्डे ने गीत आप जिनके करीब होते है को बखूबी निभाया। ललित बटवाल ने पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे को प्रस्तुत किया। काजल वर्मा ने गीत पतझड सावन बसंत बहार को सुनाया। ललिता मेहता ने आज के परिदृश्य को प्रदर्शित करते हुए गीत दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई, काहें को दुनिया बनाई को सुनाया। आबिद भाई ने इस भरी दुनिया में कोई भी हमारा न हुआ तथा सतीश सोनी ने गीत जो तुमको हो पसंद वही बात कहेंगे को सुनाया। संगीत संध्या का संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

स्मैक तस्कर को भेजा जैल, बीमार होने से नही हो सकी पूछताछ !

पिपलियामंडी, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्मेक तस्करी के आरोपी के आरोपी की रिमाण्ड अवधि के दौरान तबीयत बिगडने के कारण इलाज कराने के बाद बिना पूछताछ के ही जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने 11 जुलाई को 976 ग्राम स्मेक के साथ लसुडावन (अफजलपुर) निवासी कैलाश पिता कन्हैयालाल लोधा को गिरफ्तार किया था, जिसे कोर्ट ने पांच दिन रिमाण्ड पर सौंपा था। लेकिन दूसरे दिन उसकी तबीयत बिगड गई, जिसका पुलिस ने इलाज कराया और जेल भेज दिया। चोकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया कि आरोपी के अस्वस्थ होने के कारण पूछताछ नही की जा सकी, इलाज कराने के बाद फिलहाल उसे जेल भेज दिया है, एक बार फिर उसका रिमाण्ड मांगा जाकर पूछताछ की जाएगी।

जिले में आज से राजस्व महा-अभियान

नीमच, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बताया कि राजस्व महा-अभियान प्रथम चरण (जनवरी-मार्च 2024 की सफलता को देखते हुए राज्य शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने हेतु राजस्व महा-अभियान 2.0 का आयोजन 18 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक करने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों आर सी एम एस में समय-सीमा पार राजस्व प्रकरणों (नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरुस्तगी) का निराकरण, नये राजस्व प्रकरणों को आर सी एम एस पर दर्ज करना, नक्शे पर तरस्मीम, पी एम किसान का सैचुरेशन, समग्र का आधार से ई के वाई सी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्टी का क्रियान्वयन है। महा-अभियान में अनेक गतिविधियाँ सम्पादित करने निर्देश दिए गए हैं। राजस्व महा-अभियान के अन्तर्गत निर्देशानुसार उल्लेखित समस्त कार्यों को समय-सीमा में निराकरण करना सुनिश्चित करें। राजस्व महा अभियान के समन्वय हेतु अधीक्षक भू-अभिलेख जिला नीमच को नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किये जाने के लिये निर्देशित किया गया है।

नीमच जिले में सभी सरकारी स्कूलों में टॉपर बोर्ड लगने से विद्यार्थियों में बढ़ा पढ़ाई के प्रति रुझान

नीमच, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा के क्षेत्र में कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद के मार्गदर्शन में नीमच जिले में किए गए नवाचार से छात्र-छात्राओं की स्कूल आने में रुचि बढने लगी है। कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ रही है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद के मार्गदर्शन में जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में कक्षा पांचवी एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहे छात्र-छात्राओं के नाम और उन्हें प्राप्त अंकों के विवरण का उल्लेख करते हुए सभी विद्यालयों में टॉपर बोर्ड लगाए गए हैं। यह टॉपर बोर्ड विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढाई करने के लिए टॉपर विद्यार्थियों से प्रेरित हो रहे हैं। अब सरकारी स्कूलों में बढ रही है विद्यार्थियों की उपस्थिति और शिक्षा के प्रति रुझान भी बढा है। पढने और आगे बढाने के लिए छात्र-छात्राओं में बढ रहा है आत्मविश्वास। सरकारी स्कूल के बच्चों को टॉपर बोर्ड से मिल रही है टॉपर बनने की प्रेरणा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान तहत कार्यक्रम हुआ संपन्न

मनासा, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच रोड स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के तहत संस्था परिसर में वृक्षारोपण किया गया। औद्योगिक संघ मनासा द्वारा आयोजित कार्यक्रम मैं मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने संबोधित करते हुए सभी से अधिक से अधिक पेड लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं भारत की प्राचीनता के बारे में बताया इस अवसर पर पर्यावरण मित्र संस्था के अध्यक्ष आनंद जी मानावत पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया एवं पर्यावरण को बचाने के लिए एक नया संस्था द्वारा अविष्कारित सीट बाल की प्रयोग के बारे में बताया गया एवं कार्यक्रम का संचालन पंकल जी पोरवाल ने किया एवं कार्यक्रम का आभार औद्योगिक संघ मनासा के कोषाध्यक्ष नमन यति ने माना उद्योग संघ के अध्यक्ष प्रमोद जी समदानी एवं संघ के सभी सदस्य सहित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

आईएफएमआईएस सम्बंधी प्रशिक्षण कल

नीमच, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला कोषालय अधिकारी श्री बी.एम.सुरावत ने बताया कि जिला कोषालय नीमच द्वारा शासकीय संस्थाओं में सभी वित्तिय संव्यवहार आई.एफ.एम.आई.एस. के माध्यम से किये जा रहे है। आई.एफ.एम.आई.एस. साफ्टवेयर के संचालन के लिए वर्तमान में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आई.एफ.एम.आई.एस. साफ्टवेयर में कार्य करने में दक्ष बनाने व अपडेट करने हेतु समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डी.डी.ओ.) का ई- दक्ष केन्द्र नीमच में 19 जुलाई, 2024 को प्रात: 11:00 बजे एवं दोपहर 03:00 से बजे प्रशिक्षण का आयोजित किया जा रहा है।

आज एक शाम गोपाल लाल प्यारे के नाम

नीमच, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। देवशयनी एकादशी के पावन उपलक्ष्य में आज न गर के प्रसिद्ध श्री बिचला गोपाल जी मंदिर सराफा बाजार नीमच पर भव्य कीर्तन रात्रि 8:30 बजे से प्रभु इच्छा तक रखा गया है। इस अवसर पर भगवान गोपाल जी महाराज का अलौकिक शृंगार दर्शन एवं बाबा श्याम का अलौकिक शृंगार किया जाएगा। मधुर भजनों की प्रस्तुति उन्हेल से राहुल गंधर्व और प्रतापगढ राजस्थान से संजय गोस्वामी देंगे। पुजारी ओमप्रकाश शर्मा (लाला) ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अगले दिन 18 जुलाई 2024 गुरुवार को प्रात: 9:00 से श्याम बाबा की ज्योत ली जावेगी। श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित होकर धर्मलाभ लेवें।

स्वरोजगार प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्व.रोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में 89 प्रशिक्षणार्थी द्वारा ब्यूटी पार्लर, महिला सिलाई एवं कम्प्यूटर टेली विषय पर 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसके समापन दिवस पर स्टेट डायरेक्टर आरसेटी श्री मदन किशोर जैन, डीडीएम नाबार्ड श्री योगेन्द्र सेनी, महाप्रबंधक जिला उद्योग व्यापर केन्द्र श्री दिनेश चंपेवार, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजय कुमार मोदी, जिला प्रबंधक स्कील एसआरएलएम श्रीमती सोनिया कटारा एवं डायरेक्टर आरसेटी श्री महेशचन्द्र अग्रवाल द्वारा युवाओ को प्रेरित कर मार्गदर्शित किया गया एवं प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये।

मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश होने के पांच माह बाद भी आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को नहीं किया विभाग ने अंडरटेकिंग

आजाद कम्प्यूटर आपरेटर संघ ने उपमुख्यमंत्री से मिलकर जल्द सीधे पारिश्रमिक भुगतान की मांग की

मंदसौर, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आजाद कम्प्यूटर आपरेटर संघ जिला मंदसौर द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा को ज्ञापन देकर शिक्षा विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर्स को अंडरटेकिंग लेकर परिश्रमिक का सीधा भुगतान किये जाने की मांग की। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा को आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर्स से अपनी समस्या बताते हुए कहा कि अपर सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय के पत्र क्रमांक 1037/सीएमएस/एमएलए/042/2024, दिनांक 13-02-2024 शिक्षा विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर्स को अंडरटेकिंग लेकर परिश्रमिक का सीधा भुगतान किये जाने के आदेश स्कूल विभाग तथा आयुक्त लोक शिक्षण संचानलाय भोपाल को किये गये थे किंतु आज दिनांक तक ना ही विभाग से और ना ही लोक शिक्षण संचानलाय भोपाल से उक्त विषय में कोई कार्यवाही हुई है। कर्मचारियों ने बताया कि विगत विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की श्रमिक दरों में वृद्धि, संविदा का लाभ एवं इन्हें केन्द्र एवं प्रदेश के श्रम कानूनों के अधीन सुविधा प्रदान करने की घोषणा की थी जिसे भी पूरा नहीं किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा से मांग की कि विभागीय अंडरटेकिंग का आदेश जल्द करवाने की कृपा कर हम ऑपरेटरों को विगत चार माह का वेतन का भुगतान करवाया जाये। इस अवसर पर कर्मचारी नेता सतीश नागर, आउटसोर्स कर्मचारी नवीन सौलंकी, जयदीप राठौर, कोमल शिन्दे, अंकित मेहता, कमलेश परमार, रोहित राठौर, रामचन्द्र रायका, पुष्कर गुर्जर, पूजा शर्मा, पवन मालवीय, ईश्वर बैरागी, अनिल खारोल आदि उपस्थित थे।

श्रीमती पारस कुंवर चन्द्रावत की देह पंच तत्व में विलीन

नम आंखों से परिजनों एवं स्नेहीजनों ने दी अंतिम बिदाई

जावरा, 17 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ठा. नरेन्द्र सिंह चंद्रावत ठि.लसुडिया नाथी जावरा की धर्मपत्नी एवं बैंककर्मी नेता ठाकुर भानुप्रतापसिंह चन्द्रावत मंदसौर, स्वर्गीय ठाकुर सुरेन्द्रसिंह की भाभी साहब एवम कुंवर दीपेंद्र सिंह चंद्रावत (दीपू बना) और कुंवर धर्मेंद्र सिंह चंद्रावत (बबलू बना) की पूजनीय माताजी, कुंवर जितेन्द्रसिंह चन्द्रावत, कुंवर शैलेंद्रसिंह चन्द्रावत, जिला कांग्रेस महामंत्री बबीतासिंह (चन्द्रावत) तोमर, कुंवर नाहर सिंह की बडी मम्मी होकम ठकुरानी सा. लसूडिया नाथी श्रीमती पारस कुंवर जी चन्द्रावत का स्वर्गवास आज दिनांक 16/7/24 को इंदौर में हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार दिनांक 17/7/24 को उनके गांव ठिकाना लसुडिया नाथी जावरा में किया गया।

बडी संख्या में परिजनों, स्नेहीजनों ने नम आंखों से उन्हे अंतिम बिदाई दी। उनके पुत्र दीपेन्द्रसिंह एवं धर्मेंद्रसिंह चन्द्रावत ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में भाजपा नेता ठाकुर के के सिंह कालूखेडा, ठाकुर राजेंद्रसिंह चन्द्रावत, वरिष्ठ भाजपा नेता कान्हसिंह चौहान, मंदसौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ हमीरसिंह राठौड, नितिराजसिंह जावरा, भाजपा नेता कीर्तिशरणसिंह, राजेंद्रसिंह सोलंकी, जयदीपसिंह राठौड, नारायण सिंह चन्द्रावत, गड्डूसिंह चिकलाना, ठाकुर राघवेन्द्रसिंह भटखेडा, देवेंद्र मुडत, मुनिराजसिंह चन्द्रावत, लोकेंद्रसिंह चन्द्रावत, जयदेवसिंह, मनुदेव सिंह चन्द्रावत, प्रबल प्रतापसिंह चन्द्रावत सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

दिनांक 18 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

❊ ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगल जातक के पराक्रम-उत्साह-ताकत-ऊर्जा एवं भाई बहनों के सुख का कारक है, यदि आपकी जन्म कुंडली में मंगल अच्छा है तो उपरोक्त चीजे अच्छी रहेगी तथा भाई बहनो का सुख अच्छा रहेगा।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

खुद को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और राम कहने वाले बाबाओं पर महाकुंभ में लगेगा बैन, 112 को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत में खुद को भगवान कहने वाले बाबाओं की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे बाबाओं पर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने नाराजगी जाहिर की है। तीन अखाड़ों ने अपने 112 संतों को नोटिस दिया है।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि आजकल ऐसा ट्रेंड चला है कि हर कोई अपने आप को उपासक-पुजारी नहीं, भगवान कह रहा है। खुद को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और राम कह रहे हैं, ऐसे संतों पर कार्रवाई होना अति आवश्यक है। प्रयागराज के कुंभ में ऐसे व्यक्तियों को भूमि नहीं दी जाएगी। जिसको लेकर 112 संतों को नोटिस भी जारी किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति के विरोध में जो जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी। मंच से अल्लाह हू अकबर कहना, नमाज पढ़ना उचित नहीं है। मंच पर पति-पत्नी बैठकर शादी करें, ये चीजें अच्छी नहीं हैं। ऐसे संतों को चिह्नित किया जाएगा, जो सनातन के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। बता दें कि जूना अखाड़े ने 54 संत, श्री निरंजनी अखाड़े ने 24 संतों और निर्मोही अनी अखाड़े ने 34 संतों को नोटिस थमाया है। संतों ने 30 सितंबर तक संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो महाकुंभ-2025 में प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़े सनातन धर्मावलंबियों की आस्था व समर्पण का केंद्र हैं। मौजूदा समय 13 अखाड़े हैं। उन्हें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के माध्यम से संगठित किया गया है।

आर्य समाज सम्मेलन 21 को

पिपलियामंडी, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। आर्य समाज का सम्मेलन 21 जुलाई को प्रात: 11 बजे रतलाम रेलवे कॉलोनी में होगा। आर्य समाज संभाग प्रधान बंशीलाल आर्य (बरखेड़ापंथ) ने यह जानकारी दी।

जांच के नाम पर जेब पर डाका

कमीशन के खेल में पीसा रही जनता, दर्जनों जांच और पैथॉलाजी डॉक्टर की पसंदीदा

मंदसौर, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जांचों के नाम पर चल रहे कमीशन के खेल में मरीजों की फजीहत हो रही है। निजी अस्पताल के डॉक्टर ट्रीटमेंट बाद में शुरू करते हैं, पहले दर्जनों जांचें लिख दी जाती हैं। साथ ही ये भी समझाया जाता है कि किस पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर पर मरीज को जांच कराना है। यदि कहीं दूसरी पैथोलॉजी पर जांच कराई तो रिपोर्ट को ही खारिज कर दिया जाता है। इन पैथोलॉजी में मरीजों से मनमर्जी का शुल्क वसूला जाता है, ऐसे में मरीज इलाज से पहले जांचों में ही बर्बाद हो जाता है।

शासन के स्पष्ट नियम हैं कि कोई भी डॉक्टर किसी मरीज को जांच किसी निर्धारित लैब पर कराने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। इसके बाद भी सरकारी अस्पताल, निजी अस्पताल और क्लीनिकों पर चेकअप के लिए पहुंचने वाले मरीजों को निर्धारित लैब पर ही जांच कराने के लिए मजबूर किया जाता है। यदि मरीज कहीं दूसरी लैब पर जांच कराकर भी आ जाए तो उसे डॉक्टर मानने से इंकार कर देता है। ऐसे में मरीज की मजबूरी हो जाती है कि उसे डॉक्टर की बताई पैथोलॉजी में ही जांच कराना पड़ती है।

क्यों महंगी होती है जांचे–ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पतालों में जांचों और निजी पैथोलॉजी या सेंटरों में जांच शुल्क में बड़ा अंतर है। सूत्रों के मुताबिक निजी पैथोलॉजी सेंटर संचालक इसलिए शुल्क अधिक वसूलते हैं, क्योंकि इसकी एवज में मोटा कमीशन देना पड़ता है। ये कमीशन भी मरीज से ही वसूल किया जाता है। हालांकि शहर में कुछ ऐसी पैथोलॉजी या सेन्टर भी हैं, जो इस कमीशन के खेल में शामिल नहीं है। ऐसे में डॉक्टर इन पैथोलॉजी या सेंटरों पर मरीजों को जांच कराने भेजते ही नहीं हैं।

पचास परसेंट तक फिक्स होता है कमीशन–प्राइवेट पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर्स मरीज भेजने वाले डॉक्टर्स को 20 से 50 परसेंट तक का कमीशन देते हैं। इसीलिए 500 रुपए में होने वाली जांच एक हजार रुपए की पहुंच जाती है। यही हाल अन्य जांचों का भी है। डॉक्टर्स को कमीशन के बदले बाकायदा एक पैकेज भी ऑफर होता है। बीमारी का डर या सरकारी पैथोलॉजी में गुणवत्ता की कमी को लेकर मरीजों को प्राइवेट पैथोलॉजी में जाने को मजबूर किया जाता है। आईएमए भी समय-समय पर ऐसी प्रवृत्ति पर हैरानी जताता रहा है। प्राइवेट में इलाज कराने का सीधा सा मतलब है कि उनकी बताई हुई पैथोलॉजी से ही जांच करानी होगी।

बड़ी जांच तो बड़ा कमीशन–एमआईआरआई, सीटी स्कैन के लिए

जांच	सरकारी	प्राइवेट
एमआरआई -	5 हजार तक	10 हजार तक
सीटी स्कैल -	2500	9 हजार तक
अल्ट्रासाउंड	100	1200 तक
हेपेटाइटिस बी	100	800
हार्मोन टेस्ट	200 -300	3000 तक

(इसके अलावा भी किडनी, कोलेस्ट्रोल, एलएफटी सहित अन्य जांचों में भी खासे दाम वसूले जाते हैं)

निजी डायग्नोस्टिक सेंटर्स ने कमीशन के बिजनेस को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया। जांच में अधिकतम 500 रुपए लगते हैं, लेकिन डॉक्टर को 500 से लेकर एक हजार रुपए तक का कमीशन दिया जाता है। जितनी ज्यादा जांचें उतना अधिक कमीशन। फिर चाहे जांच के आधार पर मरीज का इलाज होना हो या न हो। इसके अलावा सामान्य जांच जैसे हीमोग्लोबिन, टीएलसी, डीएलसी, ब्लड शुगर, एसजीपीटी, एसजीओटी, थायरॉयड फंक्शन टेस्ट, एचबीए1सी, प्लेटलेट काउंट में 20 से 40 परसेंट तक का कमीशन होता है।

कमीशन का खेल रोकने को थी व्यवस्था–सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जांच और एक्स-रे की सुविधा फ्री करने का निर्णय इसीलिए लिया था कि गरीब मरीजों और जरूरतमंदों को न भटकना पड़े। जिसके बाद तेजी से सरकारी अस्पतालों में जांच कराने के लिए मरीजों की लाइन लग गई। इसके बाद तो कुछ डॉक्टर्स ने तो सरकारी जांचों की गुणवत्ता पर ही सवालिया निशान लगा दिया।

तो सस्ती हो जाएंगी जांचे–डॉक्टर्स के अनुसार अगर कमीशन का सिस्टम बंद कर दिया जाए तो मरीजों के लिए जांचे काफी सस्ती हो जाएंगी। सबसे ज्यादा असर रेडियोडायग्नोसिस पर पड़ेगा। एमआरआई, सीटीस्कैन, अल्ट्रासाउंड के रेटस 50 से 70 परसेंट तक कम हो जाएंगे। जबकि पैथोलॉजी की जांचें भी 15 से 30 परसेंट तक कम हो जाएंगी। डॉक्टर अक्सर एक पर्टिकुलर पैथोलॉजी सेंटर की पर्ची पर ही जांच लिखते हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि उससे उनका कमीशन सेट है। जबकि डाक्टर को आइडियली अपने प्रिस्क्रिप्शन पैड पर लिखना चाहिए।

नगर की 10 अवैध कॉलोनी वैध घोषित

नगर परिषद अध्यक्ष व कॉलोनीवासियों ने जताया प्रदेश के उप मुख्यमंत्री का आभार

पिपलियामंडी, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। नगर परिषद क्षेत्र में 10 कॉलोनी को अवैध से वैध घोषित किया गया है गौरतलब है कि नगर क्षेत्रांतर्गत मार्च ×2022 में तत्कालीन कलेक्टर महोदय के आदेशानुसार 12 कॉलोनियों को अवैध घोषित किया गया था, तथा तभी से इन कालोनियों में नामांतरण नही हो रहे थे व आमजनता बहुत ही परेशान हो रही थी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने बताया कि कॉलोनी वासियों की समस्या को देखते हुए नगर परिषद के ने म.प्र. शासन के उप मुख्यमंत्री एवं क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री जगदीश देवड़ा से निवेदन किया था की इन कालोनियों को वैध करवाई जाए, तब श्री देवड़ा ने कलेक्टर को निर्देश दिए थे। निर्देशानुसार म.प्र. नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों के अंतर्गत दिनांक 31 दिसंबर 2022 के पूर्व अस्तित्व में आई अनाधिकृत कॉलोनियों में आम नागरिकों को सुविधा एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने हेतु वर्तमान कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी श्री दिलीप कुमार द्वारा नगर परिषद पिपलियामंडी क्षेत्र की 10 कॉलोनियों को वैध कर विकास शुल्क का निर्धारण

किया गया। जिससे निकाय क्षेत्र एवं आसपास ग्रामीण इलाकों की जनता में खुशी की लहर है। नप अध्यक्ष श्रीमति इंदिरा सुनील देवरिया ने बताया कि जिनका इन कालोनियों में जो भी कॉलोनी वैद्य हुई है उन कालोनियों के नामांतरण के लिए आम नागरिक नगर परिषद कार्यालय में आवेदन कर सकते है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, एवं समस्त पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधि एवं आम जनता द्वारा प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा को धन्यवाद प्रेषित कर आभार व्यक्त किया है।

अंतर्विभागीय राज्य स्तरीय समिति का गठन

मंदसौर, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। राज्य शासन द्वारा, मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्यजीव अभ्यारण्यों के अधिसूचित इको सेंसेटिव जोन्स का जोनल मास्टर प्लान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाया जा रहा है। उक्त जोन मास्टर प्लान के गजट नोटिफिकेशन से पूर्व परीक्षण एवं स्पष्ट अनुशंसा के लिये अंतर्विभागीय राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव, वन विभाग होंगे। समिति में सदस्य के रूप में अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग, प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग, प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग और समिति के सदस्य सचिव के रूप में प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग होंगे। समिति के सदस्य सचिव अन्य सभी संबंधित विभागों से समान्वय स्थापित कर प्रति सप्ताह कार्य में हो रही प्रगति की स्थिति से अवगत करायेंगे।

✻✻✻ बेग गुम सूचना ✻✻✻

गत दिवस को हमारी संस्था श्री कमलेश्वरी अनुसूचित जाति जनजाति मत्स्य समिति मर्या. लामगरा के रिकार्ड का बैग धुंधड़का से दलौदा प्रगति चौराहा के मध्य कही मोटर सायकल से गिर गया है। जिसमें संस्था का समस्त रिकार्ड रखा था। जिस किसी को भी मिले तो मोबाईल नम्बर 9926216162 पर सम्पर्क करें। उसे उचित ईनाम दिया जाएगा।

अध्यक्ष, श्री कमलेश्वरी अनुसूचित जाति जनजाति मत्स्य समिति मर्या. लामगरा, जिला-मंदसौर

संविदा पर रखे जाएंगे पटवारी और राजस्व निरीक्षक

मंदसौर, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मंदसौर सहित प्रदेश में नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य राजस्व से जुड़े लंबित मामलों के तेजी के साथ निराकरण के लिए पटवारी और राजस्व निरीक्षक संविदा पर रखे जाएंगे। इसमें सेवानिवृत्त पटवारी और राजस्व निरीक्षक को रखा जाएगा। इसके लिए कलेक्टरों को आवश्यकता का आकलन कर नियुक्ति प्रक्रिया करने कहा गया है।

ड्रोन से होगा सर्वे–प्रदेश में 18 जुलाई से फिर राजस्व महाभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इसमें नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के लंबित मामलों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा, साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए जो पात्र किसान छूट गए हैं, उनका नाम शामिल किया जाएगा। ड्रोन से सर्वे होगा।

सेवानिवृत्त पटवारी और राजस्व निरीक्षकों को अवसर–इन सभी कामों में पटवारी और राजस्व निरीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगा। जिन जिलों में इनकी कमी है, उन्हें पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे संविदा सेवानिवृत्त पटवारी और राजस्व निरीक्षकों को रख लें ताकि उनके अनुभव के माध्यम से जिस उद्देश्य से अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है, उसकी पूर्ति हो सके।

कई जिलों में भू-अभिलेख व नक्शे अपडेट नहीं–गौरतलब है कि प्रदेश के कई जिलों में भू-अभिलेख व नक्शे अपडेट नहीं होने के कारण नया मास्टर प्लान लागू नहीं हो पा रहा है। प्लान में शामिल नए इलाकों में टीएंडसीपी की विकास अनुज्ञा और नगर निगम से भवन या कॉलोनी निर्माण की अनुमति भी नहीं दी जा रही है या इसमें परेशानी आ रही है।टीएंडसीपी का सिस्टम भू-अभिलेख के ऑनलाइन सिस्टम से लिंक है। इस कारण ग्वालियर, भिंड, दतिया, रतलाम, बैतूल और नीमच आदि जिलों में नए शामिल क्षेत्रों का विकास ठप पड़ गया है। गड़बड़ी दूर करने के लिए कई बार कोशिश भी की गई, लेकिन सुधार नहीं हो पा पाया।

केशव सत्संग भवन में 21 जुलाई से होंगे दिव्य चातुर्मास अध्यात्म प्रवचन

मंदसौर, 17 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास अध्यात्म प्रवचन आयोजित होंगे। गुरू पूर्णिमा 21 जुलाई से 18 सितम्बर तक प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10 बजे तक पूज्यपाद 1008 स्वामी आत्म स्वरूपानंद जी सरस्वती ऋषिकेश के मुखारविन्द से एकादश स्कन्द श्रीमद् भागवद् महापुराण अंतर्गत अध्यात्म प्रवचन होंगे। ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, उपाध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, जयप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनलाल गेहलोद, सचिव कारूलाल सोनी, सहसचिव प्रवीण देवड़ा, ट्रस्टीगण प्रहलाद काबरा, सत्यनारायण सोमानी, जगदीश भावसार, सूरजप्रकाशसिंह तोमर, जगदीश गर्ग, अजय सिखवाल, राजेश तिवारी, बंशीलाल टांक, संतोष जोशी, शिवनारायण शर्मा, महेश गर्ग, अजय मित्तल आदि ने सभी श्रद्धालुजनों से निवेदन किया है प्रवचन लाभ लेवे।

मां और पिता दोनों बने...

पेज 1 से जारी

के लिये दुष्प्रेरित करता रहता था, जिससे तंग आकर सुगना बाई ने चारो बच्चों को जान से मारने के लिये व स्वयं मरने की नीयत से पानी से भरे कुएं में कूद गयी, जिससे उसके चारो बच्चे मर गये व सुगना बाई जीवित बच गयी। तब से आरोपी पिता फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने जोधपुर से राउण्ड अप गिरफ्तार किया।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in